ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBIL04292
RNI REG. NO. UPBIL/2014/66218 **PP. No.- 160-163**

I S S N NO. - 2347 – 2944 (Print)
e-I S S N NO.- 2582 – 2454 (Online)
Vol.-19, No.-I, Issues-35, YEAR-Jan-Mar. 2025

भारत के थारु जनजाति की वर्तमान स्थितिः एक भौगोलिक अध्ययन

1. कुमार गौरव
2. प्रो0 (डॉ0) हीरा लाल सिंह

1. एस.आर.एफ– भूगोल विभाग, कॉलेज ऑफ कॉमर्स, आर्ट्स एवं साइंस मगध विश्वविद्यालय, बोधगया 2. अवकाश–प्राप्त–विश्वविद्यालय प्रोफेसर एवं अध्यक्ष स्नातकोतर भूगोल विभाग, पाटलीपुत्र विश्वविद्यालय, पटना (बिहार) भारत

Received-14.01.2025, Revised-22.01.2025 Accepted-30.01.2025 **E-mail : gauravkumar2921@gmail.com**

सारांशः विश्व/एशिया में कुल 20,94042 थारू पाए जाते हैं, जिसमें से लगभग 83प्रतिशत नेपाल में एवं सिर्फ 17प्रतिशत भारत में निवास करते हैं। भारत में कुल 356572 व्यक्ति थारु हैं, जो सभी जनजातियों में 51 वें स्थान पर आते है तथा यह भारत के कुल जनजातीय जनसंख्या में 1 प्रतिशत से भी कम अंश है, जबकि थारू जनजाति नेपाल की चौथी बड़ी आबादी है, जो कि नेपाल की कुल जनसंख्या का 6.5प्रतिशत है । मंगोल प्रजाति की ये जनजाति मुख्य रूप से तराई भाग में निवास करती हैं। जिनकी आबादी मुख्य रूप से भारत नेपाल सीमा पर हिमालय के पर्वतपदीय क्षेत्र में अधिवास करती हैं, जो की अपनी विशिष्ट जीवन शैली एवं संस्कृति के कारण शेष समाज से अलग पहचान बनती हैं। इस शोध पत्र का मुख्य उदेश्य थारु जनजाति का वितरण प्रस्तुत करना है। यह शोध पत्र मुख्य रूप से द्वितीयक आँकणों पर आधारित हैं। आंकड़ों का संग्रहण– सेंट्रल ब्यूरो आफ स्टैटिसटिक्स, नेपाल 2011 एवं भारतीय जनगणना 2011 से लिया गया है।

कुंजीभूत शब्द– थारु जनजाति, जनजातीय, मंगोल प्रजाति, आबादी, विशिष्ट जीवन शैली, संस्कृति, अधिवास, 'स्थविर'

परिचय– थारू शब्द की उत्पत्ति प्रायरू 'ठहरे', 'तरहुवा', 'ठिठुरवा' तथा 'अठवारू' आदि शब्दों में खोजी गई है। 'थारू' शब्द की उत्पत्ति 'स्थविर' (Sthavir) से हुई है जिसका अर्थ होता है बौद्ध धर्म की थेरवाद शाखा/परंपरा को मानने वाला। अधिकांश थारु बौद्ध धर्म को मानने वाले हैं परंतु वे प्रकृतिपूजक भी हैं। नेपाल के थारु बौद्ध धर्मावलंबी हैं जबकि भारत के थारु हिन्दू धर्म को मानते है। नेपाल के सीमा से सटे लखनऊ के उत्तर– पूर्व में स्थित राजदेवा गाँव के थारु स्वयं को राजपूत बताते हैं, जो की नेपाल के ड़ाँग प्रांत से प्रवास कर के भारत आए हैं। मंगोल प्रजाति की ये जनजाति मुख्य रूप से तराई भाग में निवास करती हैं। (अग्रवाल 19891, बिस्ट,19962, गुनेरतने 20023), जिनकी आबादी मुख्य रूप से भारत नेपाल सीमा पर हिमालय के पर्वतपदीय क्षेत्र में अधिवास करती हैं। जो की अपनी विशिष्ट जीवन शैली एवं संस्कृति के कारण शेष समाज से अलग पहचान बनाती हैं। (शर्मा,1961)[4]। थारु जनजाति स्वयं को राजस्थान के 'थार' के राजपूत वंशीय मानते हैं, जो मुस्लिम आक्रमणकारियों के भय से विस्थापित होकर तराई क्षेत्र में बस गए। भारत सरकार थारू लोगों को अनुसूचित जनजाति के रूप में मान्यता देती है। उत्तर प्रदेश एवं उत्तरखंड में 1967 तथा बिहार में 2003 में अनुसूचित जनजाति के रूप में मान्यता मिली हैं। बिहार में यह सबसे बड़ी जनजातीय आबादी हैं जो कि 100 की समोच्च रेखा के उतर में पाई जाती हैं। (कुमार, 20095, कुमारी, 20156)। यह जनजाति नेपाल के तराई एवं मधेश प्रांत की सबसे बड़ी आबादी होने के साथ–साथ वहाँ की राजनीति को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती हैं।(चौधरी, 20117, पांडे, 20178)।

अध्ययन का उदेश्य–इस अध्ययन का मुख्य उदेश्य थारु जनजाति के वितरण प्रतिरूप का विश्लेषण करना हैं।

अध्ययन क्षेत्र– अध्ययन क्षेत्र के रूप में भारत के उत्तर–पूर्व में स्थित तीन राज्यों दृ उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं बिहार का चयन किया गया हैं, जो नेपाल के अन्तराष्ट्रिय सीमा के साथ स्थित है। इसका अक्षांशीय विस्तार $23^0$52' से $28^0$43' उत्तरी अक्षांश तथा देशांतरीय विस्तार $77^0$05' से $88^0$17' पूर्वी देशांतर के बीच स्थित है। जिसका कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 388574 किमी2 है। जनगणना 2011 के अनुसार इन तीनों राज्यों की सम्मिलित कुल जनसंख्या 313998085 व्यक्ति हैं, जिसमें 163896440 पुरुष एवं 150101645 महिला हैं। यहाँ जनजातीय जनसंख्या, कुल 2762749 व्यक्ति हैं, जिसमें 1412268 पुरुष एवं 1350481 महिला हैं, जो कुल जनसंख्या का सिर्फ 0.88 प्रतिशत जनजातीय जनसंख्या हैं। जबकी थारु जनसंख्या 356572 व्यक्ति(180807 पुरुष, एवं 175765 महिला) हैं, जो की जनजातीय जनसंख्या का लगभग 12.91 प्रतिशत तथा कुल जनसंख्या का सिर्फ 0.11 प्रतिशत हैं। यहां जनसंख्या घनत्व 916 व्यक्ति प्रति किमी2 है। जबकि जनजातीय जनसंख्या घनत्व 7 व्यक्ति प्रति किमी2 एवं थारु जनसंख्या घनत्व 3 व्यक्ति/किमी2 है। यहां लिंगानुपात 916 महिला प्रति हजार पुरुष है जबकि जनजातीय लिंगानुपात 956 एवं थारु जनजातीय लिंगानुपात 972 महिला प्रति हजार पुरुष हैं। यहाँ साक्षरता 69.43 प्रतिशत हैं। इस अध्ययन में उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश एवं बिहार राज्य में जिलवार थारु जनजाति की जनसंख्या का विश्लेषण संबंधित आकडे भारतीय जनगणना 2011 से लिए गए हैं।

आकड़ों के स्रोत एवं विधि तंत्र–

द्वितीयक आंकड़ों का संग्रहणः सेंट्रल ब्यूरो अष्फ स्टेटिस्टिक्स, नेपाल 2011 एवं भारतीय जनगणना 2011 से लिया गया है। संकलित आकड़ों को यथोचित डाइग्राम से दिखाने का प्रयास किया गया हैं। यह एक व्याख्यात्मक एवं परिक्षणात्मक षोध हैं जिसमे थारु जनजाति के वितरण प्रतिरूप को दर्षाया गया हैं।

व्याख्या एवं विष्लेशणःविश्व/एशिया में कुल 20,94042 थारू पाए जाते हैं जिसमें से लगभग 83: नेपाल में एवं सिर्फ 17: भारत में निवास करते हैं। थारू जनजाति नेपाल की चौथी बड़ी आबादी है जो कि नेपाल की कुल जनसंख्या का 6.5: है,(सेंट्रल ब्यूरो ऑफ स्टेटिस्टिक्स, नेपाल, 2011)9 जबकि भारत में यह 51 वें स्थान पर आती है तथा यह भारत के कुल जनसंख्या जनजातीय जनसंख्या में 1 प्रतिशत से भी कम अंश है।(जनगणना 2011)10 थारू जनजाति नेपाल की चौथी बड़ी आबादी है जो कि नेपाल की कुल जनसंख्या का 6.5: है जबकि भारत में यह 51 वें स्थान पर आती है तथा यह भारत के कुल जनसंख्या जनजातीय जनसंख्या में 1 प्रतिशत से भी कम शेयर करती है।

सारणी – 1 विश्व में थारु जनजाति 2011

क्षेत्र	कुल जनसंख्या	पुरुष जनसंख्या	स्त्री जनसंख्या	प्रतिशत
नेपाल	1737470	852969	884501	82.97
भारत	356,572	180,807	175,765	17.03
कुल	2094042	1033776	1060266	100.00

स्रोत – सेंट्रल ब्यूरो ऑफ स्टैटिसटिक्स, नेपाल 2011, एवं जनगणना 2011, भारत सरकार

अनुरूपी लेखक/ संयुक्त लेखक

ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBIL04292
RNI REG. NO. UPBIL/2014/66218

I S S N NO. - 2347 – 2944 (Print)
e-I S S N NO.- 2582 – 2454 (Online)
Vol.-19, No.-I, Issues-35, YEAR-Jan-Mar. 2025

चित्र सं – 1

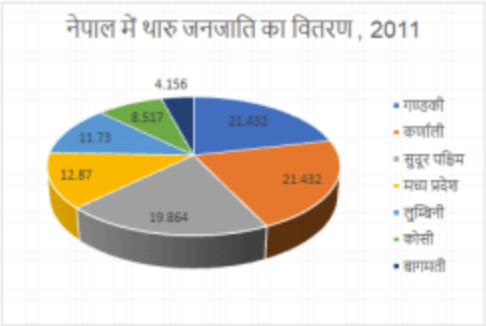

चित्र सं – 2

नेपाल में थारु जनजाति का वितरण– नेपाल में थारु जनजाति चौथी बड़ी आबादी हैं। जो की देश की कुल जनसंख्या का 6.35 प्रतिशत हैं। सबसे ज्यादा थारु जनसंख्या गण्डकी एवं कर्णाली राज्य में पाये जाते हैं जहां की कुल थारु जनसंख्या कान लगभग 21.43 प्रतिशत वास करते हैं। इसके बाद सुदूर पश्चिम का स्थान आता हैं जहां कुल थारु जनसंख्या का लगभग 19.86 प्रतिशत हैं। सबसे कम थारु जनजाति की जनसंख्या बागमती राज्य में 1.66 प्रतिशत पाए जाते है। सारणी संख्या –2 में नेपाल देश में थारु जनजाति का राज्य के अनुसार वितरण को दिखलाया गया हैं।

सारणी– 2 नेपाल में थारु जनजाति का वितरण, 2011

क्रं सं	राज्य /देश	क्षेत्रफल (उउ2)	कुल जनसंख्या	थारु जनसंख्या	कुल जनसंख्या का प्रतिशत	थारु जनसंख्या का प्रतिशत
1	कोसी	25906	4,534,943	188,356	4.15	8.517
2	मध्य प्रदेश	9661	5,404,145	284,616	5.27	12.870
3	बागमती	20300	5,529,452	91899	1.66	4.156
4	गण्डकी	38687.62	3,094,074	473940	15.32	21.432
5	लुम्बिनी	33145.08	5,379,373	259392	4.82	11.730
6	कर्णाली	38687.62	3,094,074	473940	15.32	21.432
7	सुदूर पश्चिम	19539	2,552,517	439267	17.21	19.864
	नेपाल	185926.32	29588578	2211410	0.75	100.000

स्रोत – सेंट्रल ब्यूरो ऑफ स्टैटिसटिक्स, नेपाल 2011

भारत में राज्यवार थारु जनजाति का वितरण– भारत में यह तीन राज्यों में बिहार उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में पाए जाते हैं सबसे ज्यादा आबादी बिहार में लगभग 45: उत्तर प्रदेश में 29: और उत्तराखंड में 25: के आसपास पाई जाती है भारत में बिहार के पश्चिमी चंपारण, उत्तराखंड के उधम सिंह नगर एवं उत्तर प्रदेश के खीरी, बलरामपुर, बहराइच, श्रावस्ती, लखनऊ, महाराजगंज उन्नाव एवं कानपुर नगर में मुख्य रूप से पाए जाते हैं

सारणी – 3 भारत में थारु जनजाति का वितरण, 2011

क्रं सं	राज्य /देश	थारु जनसंख्या	पुरुष जनसंख्या	महिला जनसंख्या	प्रतिशत
1	बिहार	159,939	81,236	78,703	44.85
2	उत्तर प्रदेश	105291	53687	51604	29.53
3	उत्तराखंड	91342	45884	45458	25.62
	भारत	356572	180807	175765	100.00

स्रोत– भारतीय जनगणना 2011

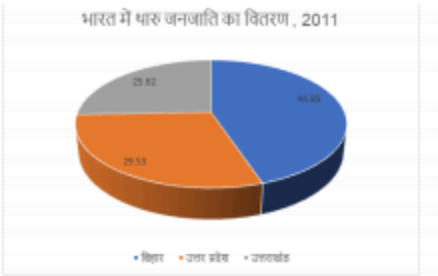

चित्र सं– 3

भारत में जिलावार थारु जनजाति–सारणी 4 में भारत में थारू जनजाति के वितरण को दर्शाया गया है इसमें जनसंख्या के आधार पर 20 जिलों को दिखाया गया है पूरे भारत में सबसे अधिक थारु जनजाति की जनसंख्या 44.60 प्रतिशत(159040 व्यक्ति) बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले में पाया जाता है, अतः पश्चिमी चंपारण जिला प्रथम स्थान पर आता है। दूसरे स्थान पर उत्तराखंड का उधम सिंह नगर जिला आता है जहां कुल थारु जनसंख्या का 25%(89399 व्यक्ति) पाया जाता है। तीसरे स्थान पर उत्तर प्रदेश का लखीमपुर खीरी जिला जहां थारु जनसंख्या का 13.6%(47628 व्यक्ति) पाया जाता है। उसके पश्चात क्रमशः बलरामपुर(24030 व्यक्ति), बहराइच(10641 व्यक्ति), श्रावस्ती(4768 व्यक्ति), लखनऊ(4029 व्यक्ति), महाराजगंज(3721 व्यक्ति), उन्नाव(2349 व्यक्ति),

I S S N NO. - 2347 – 2944 (Print)
e-I S S N NO.- 2582 – 2454 (Online)
Vol.-19, No.-I, Issues-35, YEAR-Jan-Mar. 2025

कानपुर नगर(1244 व्यक्ति), का स्थान आता है। कुल 42 जिलों में थारु जनजाति की जनसंख्या 100 व्यक्ति से भी कम है, जबकि 28 जिलों में जनसंख्या 10 व्यक्ति से भी कम है।

सारणी – 4: भारत में थारु जनसंख्या (प्रथम 20 जिले), 2011

क्र	जिला	राज्य	कुल जनजातिय जनसंख्या			थारु जनजाति			थारु जनसंख्या का प्रतिशत	रैंक	कुल जनजातिय जनसंख्या का प्रतिशत	रैंक
			व्यक्ति	पुरुष	महिला	व्यक्ति	पुरुष	महिला				
1	पश्चिमी चंपारण	बिहार	250,046	127,680	122,366	159,040	80,735	78,305	44.60	1	63.60	9
2	उधमसिंह नगर	उत्तराखण्ड	123,037	61,758	61,279	89,399	44,742	44,657	25.07	2	72.66	7
3	लखीमपुर खेरी	उत्तर प्रदेश	53,375	26,984	26,391	47,628	24,032	23,596	13.36	3	89.23	3
4	बलरामपुर	उत्तर प्रदेश	24,887	12,657	12,230	24,030	12,218	11,812	6.74	4	96.56	1
5	बहराईच	उत्तर प्रदेश	11,159	5,606	5,553	10,641	5,329	5,312	2.98	5	95.36	2
6	श्रावस्ती	उत्तर प्रदेश	5,534	2,889	2,645	4,768	2,517	2,251	1.34	6	86.16	4
7	लखनऊ	उत्तर प्रदेश	7,506	4,036	3,470	4,029	2,136	1,893	1.13	7	53.68	13
8	महाराजगंज	उत्तर प्रदेश	16,435	8,361	8,074	3,721	1,903	1,818	1.04	8	22.64	19
9	उन्नाव	उत्तर प्रदेश	2,926	1,558	1,368	2,349	1,244	1,105	0.66	9	80.28	5
10	कानपुर नगर	उत्तर प्रदेश	3,753	2,108	1,645	1,244	691	553	0.35	10	33.15	15
11	इलाहाबाद	उत्तर प्रदेश	7,955	4,270	3,685	1,190	643	547	0.33	11	14.96	25
12	रायबरेली	उत्तर प्रदेश	1,756	876	880	1,035	535	500	0.29	12	58.94	10
13	पीलीभीत	उत्तर प्रदेश	1,714	892	822	1,010	526	484	0.28	13	58.93	11
14	चंपावत	उत्तराखण्ड	1,339	777	562	720	379	341	0.20	14	53.77	12
15	कानपुर देहात	उत्तर प्रदेश	801	398	403	599	305	294	0.17	15	74.78	6
16	नैनीताल	उत्तराखण्ड	7,495	3,801	3,694	575	320	255	0.16	16	7.67	35
17	मधुबनी	बिहार	3,990	2,056	1,934	409	223	186	0.11	17	10.25	30
18	बरेली	उत्तर प्रदेश	3,227	1,664	1,563	335	178	157	0.09	18	10.38	29
19	गोरखपुर	उत्तर प्रदेश	18,172	9,261	8,911	323	161	162	0.09	19	1.78	52
20	अररिया	बिहार	38,848	19,887	18,961	221	122	99	0.06	20	0.57	64
		भारत	2,762,749	1,412,268	1,350,481	356,572	180,807	175,765	100.00		0.36	51

स्रोत : जनगणना, 2011

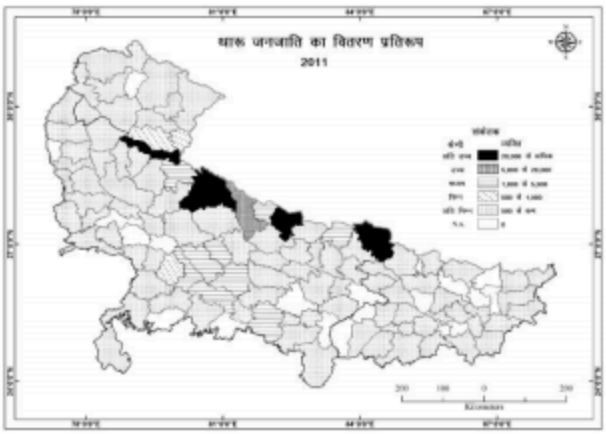

चित्र सं दृ 4

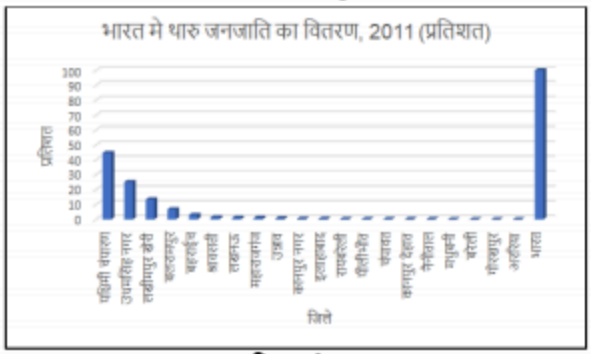

चित्र सं दृ 5

बिहार में थारू जनजाति का वितरण–बिहार एवं पश्चिम चंपारण जिले में यह सबसे बड़ी जनजातीय समूह है पश्चिम चंपारण जिले में सभी अनुसूचित जनजातियों में थारू सर्वाधिक पाए जाते हैं जो की जिले के कुल जनजातीय जनसंख्या के 65.51: है बिहार राज्य में देखें तो बिहार राज्य की कुल थारू जनजाति का 99.44: केवल पश्चिम चंपारण जिले में पाया जाता है। यहाँ कुल 159,040 थारु व्यक्ति हैं, जिसमें 80735 पुरुष एवं 78305 महिला हैं। इसके बाद क्रमशः मधुबनी (409 व्यक्ति), अररिया (221 व्यक्ति), एवं पटना (117 व्यक्ति) का स्थान आता हैं। शेष सभी जिलों में इनकी आबादी 50 व्यक्ति से व कम हैं। जनगणना 2011 के अनुसार कैमूर,

I S S N NO. - 2347 – 2944 (Print)
e-I S S N NO.- 2582 – 2454 (Online)
Vol.-19, No.-I, Issues-35, YEAR-Jan-Mar. 2025

बक्सर, मधेपुरा, सुपौल, लखिसराय, सहरसा, दरभंगा, वैशाली, शेखपुरा एवं शिवहर में थारु जनजाति नहीं पाए गए हैं। सारणी –5 में बिहार राज्य में थारु जनजाति के वितरण दिखाया गया हैं।

सारणी– 5 बिहार में थारू जनजाति का वितरण

क्रं सं	जिला	व्यक्ति		पुरुष		महिला	
		कुल	प्रतिशत	कुल	प्रतिशत	कुल	प्रतिशत
1	पश्चिमी चंपारण	159,040	99.44	80,735	50.76	78,305	49.24
2	मधुबनी	409	0.26	223	54.52	186	45.48
3	अररिया	221	0.14	122	55.2	99	44.8
4	पटना	117	0.07	70	59.83	47	40.17
5	मुजफ्फरपुर	28	0.02	17	60.71	11	39.29
6	सीतामढ़ी	22	0.01	12	54.55	10	45.45
7	गया	22	0.01	13	59.09	9	40.91
8	शेष सभी जिले	80	0.05	44	0.05	36	0.05
	बिहार (थारु)	159,939	100	81,236	50.79	78,703	49.21
	बिहार (कुल जनजाति)	1,336,573	11.97	682,516	51.06	654,057	48.94

स्रोत – भारतीय जनगणना 2011

पश्चिम चंपारण जिले में सभी अनुसूचित जनजातियों में थारू सर्वाधिक पाए जाते हैं जो की जिले के कुल जनजातीय जनसंख्या के 65.51: है बिहार राज्य में देखें तो बिहार राज्य की कुल थारू जनजाति का 99.44: केवल पश्चिम चंपारण जिले में पाया जाता है। पश्चिम चंपारण जिले में थारू जनजाति का संघ केंद्र तराई में स्थित संकेंद्रण तराई में स्थित छह प्रखंड बगहा, सिधाव, रामनगर, गौनाहा, मैनाटांड़ एवं नरकटियागंज में पाए जाते हैं थारु जनजाति का मुख्य संकेंद्रण जिले में 100 मी की कंटूर लाइन के उत्तर में पाए जाते हैं पश्चिम चंपारण जिले के कुल 590 गांव में थारू जनजाति पाए जाते हैं

निष्कर्ष–थारु जनजाति के लोग उस जगह पर रहते हैं जहां अन्य कोई रहना नहीं चाहता है। उमस वाली गर्मी एवं मक्खी की तरह के कीड़े–मकोड़े, वहाँ के जनजीवन को प्रभावित करती हैं । कई नृशास्त्रीयों का मानना हैं की इसी कारण इनकी आँखें थोड़ी सिकुड़ी हुई होती हैं। इनका मुख्य संकेन्द्रण चाहे भारत हो या नेपाल तेराई में ही पाया जाता हैं। उच्चाई पर या नदी घाटी में व कम पाए जाते हैं। निचले मैदानी भागों में धीरे–धीरे फैलने लगे हैं। रोजगार एवं अन्य कारणों से अब नगरीय क्षेत्र में भी बसने लगे हैं। सबसे ज़ूयादा थारु जनसंख्या पश्चिमी चंपारण, उधमसिंह नगर, लखीमपुर खीरी, बलरामपुर जिलों में पाए जाते हैं। कुल थारु की जनसंख्या का लगभग 96.13 प्रतिशत तराई क्षेत्र के 19 जिलों में वास करते हैं, शेष 3.87 प्रतिशत अन्य क्षेत्र में वास करते हैं।

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. अग्रवाल, सा/ाना 1989 उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र मे थारू जनजाति की आर्थिक स्थिति का विश्लेष.ाात्मक अध्ययन शोध प्रबन्ध (अ0प्र0), रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय।
2. बिष्ट, बी0 ,स0 1996 उततराख.ड की जनजातियाँ एवं जाती; समीकरण। इन उत्तराखण्ड टू डे (इडी) बोर्ड के0,स0 वाल्दिया, श्री अल्मोडा बुक डिपो, अल्मोडा। 86
3. Guneratne, A. (2002). "The Tharu and the Tarai". Many tongues, one people: the making of Tharu identity in Nepal. Ithaca, New York: Cornell University Press. pp. 20–61. ISBN 0801487285
4. शर्मा, आर , सी (1961) :जनगणना 1961 बुलेटिन
5. Kumar, A., 2009, Pattern of Social Change Among The Tharus of West Champaran In Bihar, unpublished Ph. D thesis Jawaharlal Nehru University New Delhi- Ll 0067 India.
6. Kumari, M, 2015, Socio-Economic and Cultural Characteristics of Tribes in Paschim Champaran District, Bihar, unpublished Ph. D thesis Patna university, Patna
7. Chaudhary, D. 2011. Tarai/Madhesh of Nepal : an anthropological study. Ratna Pustak Bhandar, Kathmandu. ISBN 978-99933-878-2-4.
8. Pandey, K. (2017). "Politicising ethnicity: Tharu contestation of Madheshi identity in Nepal's Tarai". The South Asianist. 5 (1): 304–322.
9. Central Beauro of statistics, Nepal 2011.
10. Census of India, 2011
11. Krauskopff, G. (1995). "The Anthropology of the Tharus: An Annoted Bibliography". Kailash. 17 (3/4): 185–213

*****